जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 18 संख्याः 287 प्रभात जालोर, मंगलवार 23 जनवरी, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

श्री राम चंद्र कृपालु भजमन हरण भव भय दारुणम् ।

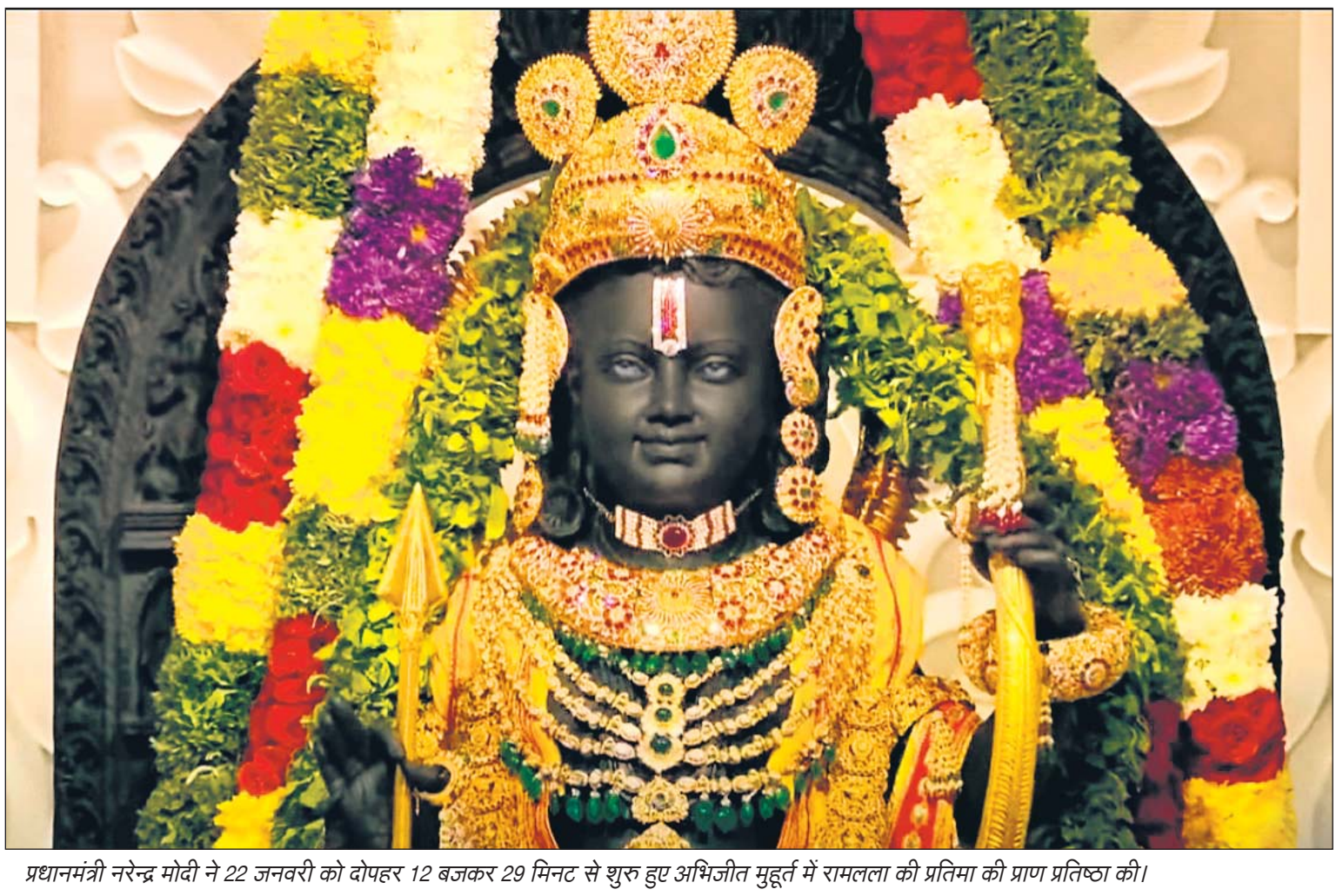

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से शुरु हुए अभिजीत मुहूर्त में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की।

'यह भारतीय संस्कृति में अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है'

अयोध्या, 22 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव, परिपक्वता और समन्वय का प्रतीक बताते हुए आज कहा कि यह किसी 'आग' को नहीं, बल्कि 'ऊर्जा' को जन्म दे रहा है।

मोदी ने सोमवार को यहां नवनिर्मित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चिरप्रतीक्षित प्राण प्रतिष्ठा पर्व में पूजा अर्चना के बाद देश भर से आमंत्रित संत महात्माओं और समाज के विभिन्न क्षेत्रों

- **प्रधानमंत्री ने इस क्षण को परिपक्वता के बोध का क्षण बताया।**

के गणमान्य अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा , आज का ये अवसर उत्सव का क्षण तो है ही, लेकिन इसके साथ ही यह क्षण भारतीय समाज की परिपक्वता के बोध का क्षण भी है। हमारे लिए यह अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है।

अयोध्या में जन्मभूमि पर मंदिर को लेकर पांच सौ वर्ष से चले आ रहे विवाद की इस सुखद परिणति को "नये कालचक्र का उद्भव" बताते हुए प्रधानमंत्री ने मंदिर के चबूतरे पर बने मंच से जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा , वो भी एक समय था, जब कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राम मंदिर भारत के पुनर्निर्माण का प्रतीक है'

आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की वैबसाइट पर लेख लिखा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। राष्ट्रीय सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, "अयोध्या में रामलला का उनके जन्म स्थान में "प्रवेश" व मंदिर में उनकी प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने के साथ ही भारतवर्ष के पुर्ननिर्माण का अभियान शुरु हो गया है। इससे सौहार्द्र, एकता, प्रगति, शांति और हर व्यक्ति का भला होगा।" राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) की वैबसाइट पर पोस्ट किये एक लेख में भागवत ने अयोध्या मंदिर में निर्माण के लिए "हिन्दू समाज के अनवरत संघर्ष" की बात कही और कहा कि, अब, इस विवाद पर "संघर्ष और कटुता" का अन्त हो जाना चाहिए।

- **भागवत ने आशा जताई कि, इस विवाद पर संघर्ष और टकराव अब समाप्त हो जायेगा।**
- **संघ प्रमुख ने राम मंदिर को राष्ट्रीय गर्व का पुनर्जागरण बताया। उन्होंने कहा, "भारत वर्ष सभी की खुशहाली के लिये है, जहां सभी को बिना शत्रुता के स्वीकार किया जाता है और एकता, सामन्जस्य, प्रगति व शांति की राह दिखाता है।"**

उन्होंने कहा कि, वर्षों तक चली लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवम्बर 2019 को "बैलैंस्ड" (संतुलित) फैसला सुनाया, यह फैसला "सत्यता एवं तथ्यों" का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या कर रहे थे विपक्षी नेता प्राण प्रतिष्ठा के समय?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। जिस दिन अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामलला की मूर्ति का अनावरण किया, उस दिन विपक्षी खेमे के प्रमुख दलों की क्या गतिविधियाँ थीं?

कांग्रेस नेता राहुल गाँधी, जो भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए असम में हैं, पंद्रहवीं सदी के समाज सुधारक श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली बताद्रव धाम का दौरा करने वाले थे, लेकिन उन्हें रास्ते में रोक दिया गया और उसके बाद उन्होंने कांग्रेस नेताओं और समर्थकों के साथ धरना दिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि, जब अधिकारियों ने राहुल गाँधी से कहा कि, समर्थकों के साथ वहाँ जाने पर कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है तो राहुल गाँधी ने अकेले जाने की इच्छा जतायी, लेकिन "इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। स्पष्टतया, यह राहुल गांधी को पवित्र स्थान पर जाने से रोकने की नीति" के तहत उठाया गया एक सोचा समझा कदम है।

- **राहुल गांधी ने श्रीमंत शंकरदेव जन्मस्थान जाने से रोकने पर कांग्रेस नेताओं और समर्थकों के साथ धरना दिया।**
- **ममता बनर्जी ने काली घाट मंदिर के दर्शन किये और समानान्तर रैली निकाली।**
- **आप नेताओं ने दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में सुंदर कांड, भंडारा, आरती आदि का आयोजन किया।**
- **उद्धव ठाकरे नासिक के कालाराम मंदिर गये तथा गोदावरी के तट पर "महाआरती" की।**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी दौरान कोलकाता में धार्मिक सद्भाव के लिए एक समानांतर रैली की। इससे पहले उन्होंने काली घाट मंदिर का दौरा किया। राज्य के भाजपा नेताओं ने उन पर अयोध्या कार्यक्रम से ध्यान भटकाने की कोशिश का आरोप लगाया और रैली को रोकने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया, लेकिन रैली को रोकने की मांग को उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया।

आप नेताओं ने, इस दौरान दिल्ली के सत्तर निर्वाचन क्षेत्रों में शोभा यात्रा, भंडारा, सुंदर कांड पाठ और आरती का आयोजन किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के कला, साहित्य और भाषायी संभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रामलीला कार्यक्रम में रविवार को भाग लिया।

तमिलनाडु में, द्रमुक के नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राम मंदिर निर्माण, एक दिव्य स्वप्न की पूर्ती'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। लालकृष्ण आडवाणी ने वर्ष 1990 में राम रथ यात्रा शुरू की थी, जिसकी परिणति सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के साथ हुई। इस समारोह में आने का निमंत्रण विश्व हिन्दू परिषद ने उन्हें दिया था, तथापि, अत्यधिक सर्दी का हवाला

- **ठंड और वृद्धावस्था के कारण प्राण प्रतिष्ठा के लिये अयोध्या नहीं जा पाए अडवाणी ने एक लेख में अपने विचार प्रकट किए।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खाटू श्याम जी व सालासर बालाजी के दर्शन किए

खाटूश्यामजी/सुजानगढ़, 22 जनवरी (निसं)। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर खाटूश्यामजी श्याम मंदिर में आयोजित उत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने बाबा श्याम के दर्शन व पूजा-अर्चना की तथा संध्या आरती में भाग लिया। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान व मंत्री श्याम सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री का श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में आयोजित भगवान राम दरबार के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर खाटूधाम में भजन संध्या हुई और दीपक जलाए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यहां आतिशबाजी कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ सालासर बालाजी भी गए।

- **दोनों मंदिरों में मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना की तथा अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा पर आयोजित विशेष समारोह में भाग लिया।**

इससे पहले सीएम हेलीकॉप्टर से खाटूश्यामजी हेलीपैड पहुंचे जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती, यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा, भाजपा नेता पवन पुजारी, खण्डेला विधायक सुभाष मील, पूर्व विधायक प्रेमसिंह बाजोर, पूर्व विधायक रतन जलधारी, कमल सिखवाल, प्रभूसिंह गोगावास, ममता मुंडोतिया, विकास सोनी, बलवंत सिंह चिराना, कृष्ण कुमार शर्मा, कैलाश पुजारी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ प्रदान कर सीएम का स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के खाटूश्यामजी आने पर जिला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस की भाजपा को चुनौती

चंडीगढ़ , 22 जनवरी। चंडीगढ़ कांग्रेस ने सोमवार को भाजपा को चुनौती दी कि वह एक या दो दिन में मेयर चुनाव कराकर दिखाये। अठारह जनवरी को होने वाले मेयर चुनाव पीठासीन अधिकारी के "बीमार पड़ जाने" के कारण स्थगित किये गये थे और चंडीगढ़ प्रशासन ने कानून-व्यवस्था के पुलिस के आकलन के बाद 6 फरवरी को चुनाव कराने की बात कही है। आप और कॉंग्रेस, जो इंडिया गठबंधन के तहत पहली बार मिलकर चुनाव लड़ रही हैं, ने अदालत का दरवाजा भी खटखटाया है। दोनों पार्टियों ने भाजपा पर चुनाव में "निश्चित हार" के डर से भागने और "लोकतंत्र की हत्या" के आरोप लगाये थे। चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा और अरुण सूद ने कल इन आरोपों को झुठलाते हुए कॉंग्रेस और आप पर पार्षदों को धमकाने और उन्हें डर के माहौल में रहने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। कॉंग्रेस प्रवक्ता राजीव शर्मा ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यदि भाजपा नगर निगम से उनके भ्रष्ट और अक्षम शासन को हटाने को लेकर कॉंग्रेस और आप के संकल्प को देखना चाहती है तो एक या दो दिन में चुनाव कराकर दिखाये।

'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' की घोषणा की मोदी ने

नयी दिल्ली, 22 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में सोमवार को राम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अपने पहले निर्णय के तहत देश भर में एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने का एक नया कार्यक्रम ' प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' प्रारंभ करने की घोषणा की।

तमिल मंत्री की न्यायिक हिरासत 29 तक बढ़ी

चेन्नई, 22 जनवरी। तमिलनाडु के एक प्रधान सत्र न्यायालय (पीएसजे) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पिछले साल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिलबालाजी की न्यायिक हिरासत सोमवार को 29 जनवरी तक बढ़ा दी। बिना पोर्टफोलियो वाले मंत्री सेंथिलबालाजी को पुझल सेंट्रल जेल से आभासी माध्यम से प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अल्ली के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उनकी रिमांड 29 जनवरी तक बढ़ा दी। इस बीच, सेंथिलबालाजी ने मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर कर जमानत की मांग की है।

गौरतलब है कि, पीएसजे अदालत ने तीन बार और उच्च न्यायालय ने 19 अक्टूबर 2023 को एक बार उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

न्यायाधीश 11 जनवरी को आज तक यानी 22 जनवरी तक न्यायिक हिरासत बढ़ा दी थी। अदालत आज उनके खिलाफ आरोप तय करने वाली थी, लेकिन श्री सेंथिलबालाजी द्वारा कुछ कानूनी मुद्दे उठाते हुए दायर याचिका पर आरोप तय नहीं किए गए हैं। सुनवाई के दौरान, मंत्री के वकील श्री एस प्रभाकरन ने अदालत को बताया कि उन्होंने कुछ कानूनी मुद्दों को उठाते हुए एक याचिका दायर की है। इसलिए विधेय अपराधों के निपटारे तक यह अदालत मंत्री के खिलाफ आरोप तय नहीं कर सकती। उन्होंने बताया कि मंत्री ने मामले की सुनवाई टालने के लिए यह याचिका दायर की है।

"श्रीराम जन्मभूमि दर्शन" अभियान शुरू करेगी भाजपा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा अयोध्या में नवीनर्मित राम मंदिर में 24 जनवरी को पूजा-अर्चना करेंगे और वहां पर सम्पूर्ण देश के पार्टी कार्यकर्ताओं को "श्री राम जन्मभूमि दर्शन" कराने के अभियान की शुरुआत करेंगे।

- **चौबीस जनवरी से पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए यह अभियान शुरू किया जा रहा है।**

भाजपा के अयोध्या जिला अध्यक्ष संजीव सिंह का कहना है, "हमारे लिए यह एक अच्छा अवसर है कि हम अयोध्या आने वाले राम भक्तों को सही तरीके से स्वागत करें। हम उनके ठहरने के लिए आवास, आवागमन के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम की भाजपा सरकार ने राहुल को श्रीमंत शंकरदेव मंदिर जाने से रोका

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। असम में मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा की भाजपा सरकार ने आज एक प्रतिशोधी एवं पक्षपाती कदम उठाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कानून-व्यवस्था की स्थिति का हवाला देकर नगाँव स्थित बताद्रवा सत्र मंदिर जाने से रोक दिया। यह आसाम के पंद्रहवी शताब्दी के संत एवं विद्वान श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली है।

असम के मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के समय के साथ कांग्रेस के कार्यक्रम का समय टकराने पर चिंता जताते हुए कल राहुल गांधी से अनुरोध किया था कि, वह अपनी "भारत जोड़ो न्याय यात्रा" के मार्ग को लेकर पुनर्विचार करें।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा था कि, राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह और बताद्रवा में श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली की यात्रा के बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा को टालना चाहिए।

सरमा ने यह चिंता व्यक्त करते हुए राहुल गांधी से अपने कार्यक्रम पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था कि, दोनों कार्यक्रमों के समय के आपस में टकराने से असम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

सरमा ने कहा था, "मैं राहुल गांधी से अनुरोध करता हूं कि, वे यह धारणा पैदा ना करें कि, राम मंदिर और बताद्रवा सत्र के बीच कोई प्रतिस्पर्धा है, क्योंकि टी.वी. चैनल्स एक तरफ तो राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह दिखाएंगे और दूसरी तरफ राहुल गांधी को महापुरुष श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली में जाते दिखाया जाएगा, जो असम के लिए ठीक नहीं होगा।"

- **श्रीमंत शंकरदेव 15वीं सदी के असम के संत व विद्वान हैं।**
- **असम मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि, राम मंदिर समारोह तथा शंकरदेव के जन्मस्थान की यात्रा के बीच टी.वी. पर टकराव को टालना चाहिये।**
- **दूसरी ओर राहुल गांधी का कहना है कि, वे केवल मंदिर में पूजा करना चाहते हैं, कोई समस्या खड़ी नहीं कर रहे।**

भारत जोड़ो न्याय यात्रा और खासतौर पर राहुल गांधी के प्रति मुख्यमंत्री सरमा का प्रतिशोधी एवं पक्षपाती रवैया तब स्पष्ट हो जाता है, जब वे यह स्वीकारते हैं कि, अयोध्या के राम मंदिर और असम में बताद्रवा सत्र के बीच प्रतिस्पर्धा है और उनकी अधिक रूचि, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम और राहुल गांधी के एक स्थानीय देवता के दर्शन के बीच की प्रतिस्पर्धा को रोकने में है।

इससे पहले, राहुल गांधी ने अपने ऊपर लगाये गए प्रतिबंधों पर सवाल उठाते हुए कहा कि, "मैं मंदिर के दर्शन करना चाहता हूं। मैंने ऐसा क्या अपराध किया है कि, मैं मंदिर नहीं जा सकता? हम कोई समस्या खड़ी करना नहीं चाहते। हम केवल मंदिर में पूजा-अर्चना करना चाहते हैं।"

गांधी ने आगे कहा कि, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही यह निर्णय लेंगे कि, मंदिर में कौन जाएगा। उन्होंने कहा कि, "सिर्फ एक ही आदमी मंदिर में प्रवेश कर सकता है।"

इस घटना के बाद राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने नगाँव में धरना-प्रदर्शन शुरु किया।

असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के काफिले पर "योजनाबद्ध हमलों" का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की आज शाम घोषणा की। पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने असम के मुख्यमंत्री पर कांग्रेस के काफिलों, सम्पत्तियों और नेताओं पर हमले करवाने का आरोप लगाते हुए उन्हें भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया।

वेणुगोपाल ने दावे से कहा कि, असम में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार "लोकतंत्र पर हमला" कर रही है। उन्होंने इसकी निंदा करते हुए राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का आव्हान किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वकीलों की अनुपस्थिति पर प्रतिकूल आदेश पारित ना करें'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सीनियर एडवोकेट डॉ. आदिश सी. अग्रवाल ने चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी. वाय चन्द्रचूड़ को एक पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया

- **सुप्रीम कोर्ट बार अध्यक्ष ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया।**
- **राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन अदालत में अनुपस्थिति के लिये यह छूट मांगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)